

यहाँ बनता नसीबा सभी का श्याम भजन लिरिक्स



यहाँ बनता नसीबा सभी का,
जो भी आया यहाँ,
वो ही होके रहा बस यहीं का।
yaha banta naseeba sabhi ka lyrics
तर्ज – हम तुम्हे चाहते हैं ऐसे।

सारे जग से निराला ये दर है,
ऐसी चौखट है ये,
जहाँ भरता है दामन सभी का,
यहाँ बनता नसीबा सभी का,
जो भी आया यहाँ,
वो ही होके रहा बस यहीं का।

कैसी महिमा है कैसा है जादू,
जो भी इसका हुआ,
ये भी होके रहा बस उसी का,
यहाँ बनता नसीबा सभी का,
जो भी आया यहाँ,
वो ही होके रहा बस यहीं का।

यहाँ रोते हुए जो भी आते,
वो ही ले जाते हैं,
एक खज़ाना यहाँ से खुशी का,
यहाँ बनता नसीबा सभी का,
जो भी आया यहाँ,
वो ही होके रहा बस यहीं का।

मैंने जीवन में जो कुछ भी पाया,
वो ही इसका दिया,
ये ही कहना है इसके 'रवि' का,
यहाँ बनता नसीबा सभी का,
जो भी आया यहाँ,
वो ही होके रहा बस यहीं का।



यहाँ बनता नसीबा सभी का,
जो भी आया यहाँ,
वो ही होके रहा बस यहीं का।

Singer – Hari Kishan Sharma
